Titchener (1867–1927)

Titchener (1867–1927) जिसके साथ निसंदेह structuralism का नाम जोड़ा जाता है, एक ऐसा Englishman था, जिसने सबसे पहले जर्मनी के psychological tradition को अमेरिकन भूमि पर लाया। Wundt ने इसके मन पर इतना गहरा प्रभाव छोड़ा कि Titchener के मन पर उसका जीवन पर्यन्त छाया बना रहा। उसी वर्ष उसे अमेरिका के नए प्रयोगशाला Cornell में जाना पड़ा। ~~such~~ Titchener के जीवन का शेष सारा भाग यहीं व्यतीत होता है।

इसी स्थल पर Titchener ने अमेरिका में मनोविज्ञान को सुदृढ़तापूर्वक स्थापित करने की आवश्यकता महसूस की, जो अभी तक अपनी जड़ नहीं जमा सका था। कहना न होगा कि Titchener ने इस "New Psychology" के courses को अधिक मज़बूत बनाने के लिए कड़ी परिश्रम की। लेकिन याद रहे कि Titchener की पद्धति अमेरिकन जलवायु से बिलकुल अछूती रही।

Titchener ने Kulpe, Wundt, इत्यादि के महत्वपूर्ण कार्यों को English में translate करना शुरू किया और उसके साथ ही अपने लिए प्रयोगशाला की स्थापना की ओर कदम बढ़ाना शुरू किया। University syllabus के अन्तर्गत उसने laboratory drill courses स्थापित करना चाहा, जिसका aim केवल यह सिद्ध करना नहीं था कि Psychology एक science है, बल्कि Research के लिए आधारभूत Proper training देना ही मुख्य aim था। वह हमेशा systematic training पर ज़ोर देता था ताकि छात्रों को introspect करना भली भाँति आ जाए। यही नहीं introspection किए गए विषयों पर systematic report देना भी आ सके। क्योंकि उसके अनुसार मनोविज्ञान observer की दृष्टि से experiences का अध्ययन करता है। "Psychology deals with the experience from the point of view of observer." यों तो Physics भी experience का अध्ययन करता है लेकिन उसका दृष्टिकोण पृथ

दूसरा रखता है जिसे अनुभव करने वाले व्यक्ति से स्वतंत्र रखा जा सकता है। Titchener के अनुसार मनोविज्ञान में दृष्टिकोण का बड़ा महत्व है। यह बात तब और अधिक साफ हो गई जब Titchener ने "stimulus error" phase का व्यवहार किया, जिसके अनुसार कोई भी मनोवैज्ञानिक बाहरी रूप से stimulus error करने लगता है यदि वह Psychological point of view से ज़रा भी हटने लगता है। उनके छात्रों के लिए कई qualitative तथा quantita-tive manual भी लिखा जिसका बाद चलकर काफी महत्व आंका गया।

" Titchener never became a part of American Psychology." Boring का यह कहना बड़ा ही उपयुक्त प्रतीत होता है। जहाँ American विद्वानों की अभिरुचि मानव क्षमताओं तथा व्यक्ति विभिन्नताओं के सिद्धान्त के निरूपण में लगी थी, ठीक विपरीत उसी अमेरिकन भूमि पर रहते हुए भी Titchener की अभिरुचि सिर्फ generalized normal human adult mind के अध्ययन में लगी थी। Titchener ने कभी भी Animal Psy. Abnormal Psy. child Psy. इत्यादि की बात नहीं की, क्योंकि वह इन विषयों को pure experimental Psychology का मौलिक विषय नहीं मानता था। वह American Psychological Association (APA), जो विरोधी दल का platform था, जैसी महत्वपूर्ण संस्था से भी अपने को अलग रखा। प्रत्येक वर्ष उसके अनेकानेक शिष्य जो दूसरे-2 universities में जाकर Research करते थे और एक साथ मिलकर Research reports का आदान-प्रदान करते थे — इस दल को "exptal. Psychologist" के नाम से जाना जाता था।

Titchener अमेरिका में अपने pure introspective Psy. तथा विधि संबंधी purism के लिए अधिक प्रसिद्ध हो चुका था। उसने पशुओं, बच्चों तथा असामान्य व्यक्तियों को इसलिए मनोवैज्ञानिक प्रयोज्य नहीं बनाया क्योंकि वे introspection के लायक नहीं हो सकते थे। पुनः उसने

contemporary Behaviourism तथा mentalism को इसलिए अस्वीकार किया क्योंकि वे सिर्फ Physical performance पर ही बल देते थे। Titchener के अनुसार मानसिक अवस्था तीन तत्वों के मेल से बनी है — sensation, Feeling and Images. साथ ही इसने बताया कि simple feeling दो तरह की होती है — Pleasant और unpleasant. अन्य प्रकार की feelings को वह केवल compound मानता था। Attention को मनोविज्ञान का subject matter माना गया और meaning तथा Apperception को उन्होंने Psychology से बाहर माना। Structuralism की प्रमुख समस्याओं में उन्होंने निम्नलिखित समस्याओं को प्रमुख माना —

① तत्व और उनके गुणों का निर्धारण।

② तत्वों के मिश्रण की विधि विकसित करना।

③ उपरोक्त मिश्रणों की structural विशेषताओं का निर्धारण करना इत्यादि। Titchener हमेशा इस विश्वास को मान कर चलता था science का संबंध General laws से होता है, न कि individual differences laws से। यह उसके कट्टर प्रयोगकर्ता होने का प्रमाण है।

Titchener अमेरिकन मनोविज्ञान के इतिहास में इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने बहुसंख्यकों के विरुद्ध अपनी छोटी सी परम्परागत German विचारधारा का हूबहू प्रतिनिधित्व किया। ~~अमेरिका~~ अमेरिका में वह एक Minority था, फिर भी जैसाकि Boring ने लिखा है — अपने व्यक्तित्व प्रभाव, बहुतेरे शिष्यों तथा उच्च प्रकाशनों के साथ वह अत्यंत ही प्रभावशाली अल्पसंख्यक साबित हुआ। यह इस बात से और भी स्पष्ट हो जाता है कि उनकी मृत्यु होते ही अमेरिका से Structuralism का खात्मा हो गया। अन्त में हम ...